300 से ज्यादा विद्यार्थी उद्योग जगत के लीडर बनने के लिए तैयार, इन्टरनेशनल मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, दिल्ली ने मनाया अपना 31 वीं दीक्षान्त समारोह

युवाओं में प्रबन्धकीय प्रतिभा के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक : शेखर गुप्ता

नई दिल्ली (अ.इ.)। देश के सबसे तेज़ी से विकसित होते हुए बिज़नेस स्कूल इन्टरनेशनल मैनेजमेन्ट इन्सटीट्यूट, दिल्ली का नई दिल्ली के आईएमआई परिसर में भव्य दीक्षांत समारोह मनाया गया। यह ग्रेजुएशन डे स्कूल की कामयाबी के सफ़ र में एक और मील का पत्थर है। 31 वें दीक्षान्त समारोह के दिन विद्यार्थियों को कुल 302 डिग्रियां दी गई। भव्य समारोह के मुख्यअतिथि जाने माने संपादक एवं स्तम्भकार शेखर गुप्ता ने समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में संजीव गोयंका-चेयरमैन आईएमआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, डॉ. बाकुल ढोलकिया-डायरेक्टर जनरल आईएमआई, बोर्ड सदस्यों, फैकल्टी सदस्यों, उद्योग जगत के नेताओं, अकादमियों के प्रतिनिधि,

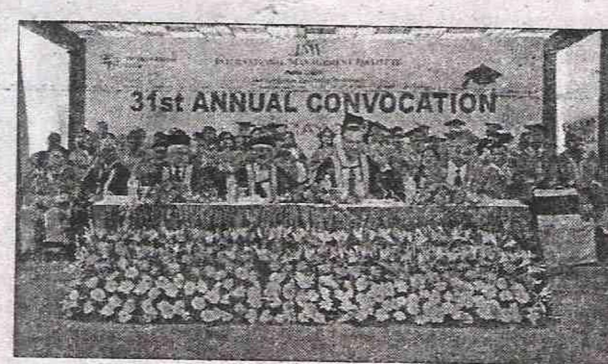

पूर्वछात्रों, स्टाफ और ग्रेजुएट होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। सभा को सम्बोधित करते हुए सम्पादक एवं स्तम्भकार शेखर गुप्ता ने कहा कि जीवन की तरह कारोबार में भी तीन मंत्र होते हैं जो बेहद महत्वपूर्ण हैं। पहला जिस तरह से हम रिश्तों में निवेश करते हैं उसी तरह एक संगठन में मानव पूंजी में निवेश किया जाता है। दूसरा कारोबार उड़ती पतंग की तरह है, आपको यह जानना ज़रूरी है कि आपको इसकी बागडोर को कब कसना है और कब ढील देनी है। और सबसे महत्वपूर्ण जितना कमाएं उससे कम खर्च करें और जितना खर्च करें उससे ज़्यादा कमाएं। मैं इस उम्मीद के साथ आपको जीवन के ये सबक देना चाहता हूँ कि आप सभी का आने वाला भविष्य उज्जवल हो और आप एक दिन मेरे बॉस बनें। आईएमआई के महानिदेशक डॉ. बाकुल ढोलकिया ने बताया, "मैं सभी स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और पक्के इरादे के साथ इस कामयाबी को हासिल किया है। समारोह में आईएमआई के महानिदेशक डॉ. बाकुल ढोलकिया ने आगामी बैच के लिए मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम 2015-16 का उद्घाटन किया। इन्टरनेशनल मैनेजमेन्ट इन्सटीट्यूट अध्यापन, अनुसंधान एवं कोरपोरेट प्रशिक्षण में विशेषज्ञता के साथ समेकित बिजनेस स्कूल है।

EasyShiksha.Com - A Way of Simple Learning! Free Online Education | Online Certification Free | Career Guidance Free!

Easy Shiksha provides concise and complete information to every aspiring student about Institutes, Colleges and Universities covering Diploma, Graduation, Post-graduation.

Easy Shiksha

BLOG MENU :

Home

Contact Us

8+1 28

POPULAR POSTS

Free Online Courses: Top 50 Sites to Get Educated for Free

W hether you are looking for a master's degree program, computer science classes, a K-12

SATURDAY, 16 MAY 2015

OVER 300 STUDENTS NOW READY TO BECOME INDUSTRY LEADERS

International Management Institute, Delhi hosts its 31st Convocation

New Delhi, 15th May 2015: International Management Institute, Delhi, one of the most reputed and fastest growing business schools held its 31st Convocation on Friday, 15th May, 2015 at the IMI Campus in New Delhi. The Graduation day holds a place of pride in the hearts of all those who are associated with the institute as it marks the completion of a significant milestone in the school's success filled journey. A total of 302 degrees were awarded at the 31st Convocation ceremony.

'IIM-A has always been able to reinvent itself'

13/05/2015 Dipin Damodharan

Print This Article

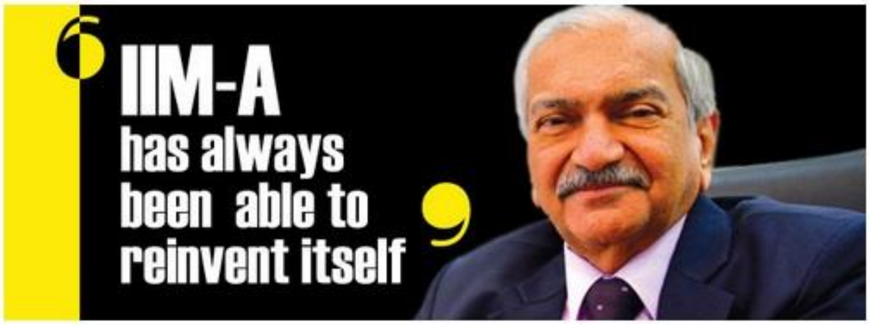

Photo Credit: Himarshu/Wikimedia Commons

The panacea for the chaos in management education is to define performance parameters and rank the institutes, says Dr Bakul Dholakia

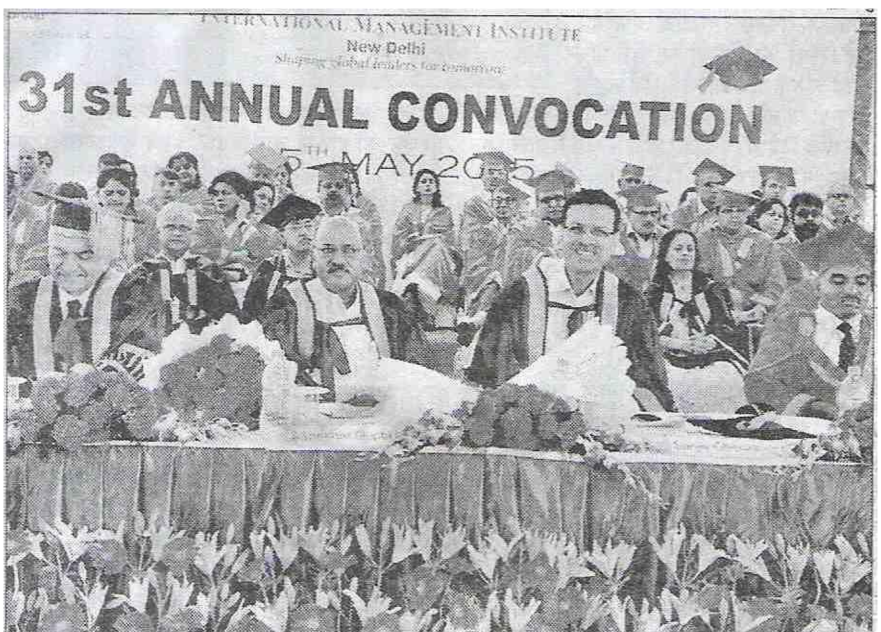

कन्वोकेशन इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में 31 वें कन्वोकेशन में डीजी बहुल ढोलकिया, शेखर गुप्ता, संजीव गोयनका एवं अन्य सम्मानित हस्तियां मौजूद रहीं

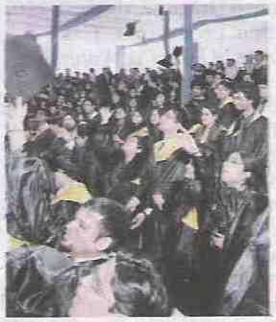

Convocation

The International Management Institute (IMI), Delhi hosted its 31st convocation last week in which 302 degrees were awarded. Shekhar Gupta, noted journalist was the guest for the ceremony. Also present were Sanjiv Goenka, Chairman IMI, Bakul Dholakia, Director-General of the institute, board and faculty members, industry leaders, academicians, alumni, staff and families of the graduating students. The DG also inaugurated the institute's executive postgraduate programme in management 2015-16 for the upcoming batch.

आईएमआई ने मनाया 31वां दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली, वैभव न्यूज। इन्टरनेशनल मैनेजमेन्ट इंस्टिटट्यूट दिल्ली ने नई दिल्ली कुतुब इस्टेट्यूशन एरिया स्थित ईएमआई परिसर में अपना दीक्षांत समारोह मनाया। 31 वें दीक्षान्त समारोह के दिन विद्यार्थियों को कुल 302 डिग्रियां दी गई। इस मौके पर स्तम्भकार शेखर गुप्ता मुख्य अतिथि थे। साथ ही संजीव गोयंका, चेयरमैन आईएमआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, डॉ. बाकुल ढोलकिया, डायरेक्टर जनरल आईएमआई, बोर्ड सदस्यों, फैकल्टी सदस्यों, उद्योग जगत के नेताओं, अकादमिकज्ञों, पूर्वछात्रों, स्टाफऔर ग्रेजुएट होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभा को संबोधित करते हुए स्तम्भकार शेखर गुप्ता ने बताया जीवन की तरह कारोबार में भी तीन मंत्र होते हैं जो बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए आईएमआई के महानिदेशक डॉ. बाकुल ढोलकिया ने बताया,. मैं सभी स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देता हूं जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और पक्के इरादे के साथ इस कामयाबी को हासिल किया है।

300 से ज़्यादा विद्यार्थी उद्योग जगत के लीडर बनने के लिए तैयार

आईएमआई के 31वें दीक्षांत समारोह में संस्थान के डीजी डा. वाकुल ढोलकिया, चेयरमैन संजीव गोयंका व जाने माने पत्रकार शेखर गुप्ता।

नई दिल्ली, (वासं)। देष के सबसे तेजी से विकसित होते हुए बिजनेस स्कूल इन्टरनेषनल मैनेजमेन्ट इन्सटीट्यूट, दिल्ली ने 15 मई 2015 को नई दिल्ली के आईएमआई परिसर में अपना दीक्षांत समारोह मनाया। यह ग्रेजुएषन डे स्कूल की कामयाबी के सफर में एक और मील का पत्थर है। 31 वें दीक्षान्त समारोह के दिन विद्यार्थियों को कुल 302 डिग्रियां दी गईं। इस मौके पर जाने माने संपादक एवं स्तम्भकार श्री षेखर गुप्ता मुख्य अतिथि थे। साथ ही श्री संजीव गोयंका, चेयरमैन आईएमआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, डॉ. बाकुल ढोलकिया, डायरेक्टर जनरल आईएमआई, बोर्ड सदस्यों, फैकल्टी सदस्यों, उद्योग जगत के नेताओं, अकादमिकज्ञों, पूर्वछात्रों, स्टाफ और ग्रेजुएट होने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की षोभा बढाई। सभा को सम्बोधित करते हुए सम्पादक एवं स्तम्भकार श्री षेखर गुप्ता ने बताया, ''जीवन की तरह कारोबार में भी तीन मंत्र होते हैं जो बेहद महत्वपूर्ण हैं। पहला जिस तरह से हम रिष्तों में निवेष करते हैं उसी तरह एक संगठन में मानव पूंजी में निवेष किया जाता है। दूसरा कारोबार उडती पतंग की तरह है, आपको यह जानना जरूरी है कि आपको इसकी बागडोर को कब कसना है और कब ढील देनी है। और सबसे महत्वपूर्ण जितना कमाएं उससे कम खर्च करें और जितना खर्च करें उससे ज़्यादा कमाएं। मैं इस उम्मीद के साथ आपको जीवन के ये सबक देना चाहता हूँ कि आप सभी का आने वाला भविश्य उज्जवल हो और आप एक दिन मेरे बॉस बनें।'' इस मौके पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए आईएमआई के महानिदेषक डॉ. बाकुल ढोलकिया ने बताया, ''मैं सभी स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने अपनी कडी मेहनत और पक्के इरादे के साथ इस कामयाबी को हासिल किया है। आज वो दिन आ गया है जब हमें आज के दायरे से बाहर जाकर भविश्य की ओर एक नया नजरिया बनाना है। हम सब को मिलकर प्रयास करने हैं कि हम समाज की महत्वाकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतर सकें। मुझे विष्वास है कि हमारे ये नए स्नातक नैतिक मूल्यों के साथ दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। मैं इनके उज्जवल भविश्य की कामना करता हूँ।''साथ ही कार्यक्रम के दौरान आईएमआई के महानिदेषक डॉ. बाकुल ढोलकिया ने आगामी बैच के लिए मैनेजमेन्ट में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम मच्ळक्ड ; 2015-16 का उद्घाटन किया। यह पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम 15 महीनों का फुल टाईम प्रोग्राम है। 1984 में षुरू किए गए इस प्रोग्राम को अनुभवी मध्य स्तर के प्रबन्धकों के लिए नए-रूप में डिजाइन किया गया है जो उद्योग जगत में लीडरषिप भूमिकाएं निभाना चाहते हैं और उन्हें उनके संगठनों के द्वारा इन भूमिकाओं के लिए पहचाना गया है।